प्रेस विज्ञप्ति

मध्य प्रदेश चिकित्सा महाविद्यालयों में खुल रहे हैं वायरोलॉजी लैब

प्रदेश के तेजी से हो रहे वैश्विकरण के कारण प्रदेश में नए वायरल एजेंटो का प्रकोप एक आम घटना हो गई हैं। इन नए वायरस संक्रमण के निदान हेतु समय पर जाँच एक बड़ी समस्या हो जाती हैं। विगत वर्षों में हुए इबोला, जिक्का, डेंग्यू, चिकनगुंनिया एवं एच 1एन 1 इंफल्युऐंजा वायरस के प्रकोप पर प्रभावी नियंत्रण हेतु विशेष प्रयोगशालाओं की जरूरत महसूस की गई, जो नए वायरसो पर शोध कार्य के साथ ही मरीजो को सही वक्त पर इलाज़ देने हेतु डायग्नोस्टिक किट बनाने में भी मदद करे।

भारत सरकार की सहायता से प्रदश मे सभी चिकित्सा महाविद्यालयों में यह स्थापित की जाऐगीं। इस क्रम में प्रथम वायरोलॉजी लैब प्रयोगशाला गाँधी चिकित्सा महाविद्यालय में स्थापित की जा रही हैं। यह प्रयोगशाला पूरे प्रदेश मे क्षेत्रीय स्तर पर सबसे बड़ी प्रयोगशाला होगी।

यह प्रयोगशाला आधुनिक जाँच के उपकरणों से सुसज्जित होकर विशेष रूप से प्रशिक्षित चिकित्सक इन वायरसो पर नियंत्रण हेतु उपलब्ध रहेगें। इस प्रयोगशाला के निर्माण पर एवं उपकरण हेतु लगभग 29 करोड़ रूपये खर्च आया हैं। यह प्रयोगशाला हेपेटाइटिस ए, हेपेटाइटिस सी, हेपेटाइटिस ई, डेंगू, चिकिनगुनिया, हरपिस सिंप्लेक्स वायरस, रूबेला, टोक्सोप्लाज़मा गोडीं, रोटावायरस जैसे आदि वायरस की पहचान की जाँच राज्य स्तर पर ही करेगी । जिससे ब्लड सैम्पलस को प्रदेश से बाहर भेजने की जरूरत नहीं पड़ेगीं जिससे खर्चो में कमी के साथ–साथ अल्प समय में ही मरीजों उचित उपचार मिल पाएगा। चिकित्सा महाविद्यालय, भोपाल में इस प्रयोगशाला की इमारत तैयार हो चुकी है, शीघ्र ही संचालन की प्रकिया आंरभ होगी।

इसी क्रम के दुसरे चरण मे ग्वालियर, इंदौर, रीवा एवं सागर में भी वायरोलोजी लैब की स्थापना की जाएगी। उक्त लैब की स्थापना से स्नातक एवं स्नात्कोत्तर छात्र/छात्राओं को उक्त अत्याधुनिक लैब द्वारा शैक्षणिक गतिविधियों में भी लाभ प्राप्त होगा तथा नये संक्रमण वायरस से संबंधित राज्य स्तर पर डाटाबेस तैयार हो सकेगा जो अगामी वर्षो में रिर्सच हेतु उपयोगी होगा। चिकित्सा शिक्षा विभाग के प्रयासो से मध्य प्रदेश के मरीजों को उच्च स्वास्थ्य सेवा अल्प समय में प्राप्त हो सकेगी।